

श्रीकालभैरवाष्टकं

{ श्रीकालभैरवाष्टकं }

देवराजसेव्यमानपावनाग्निपङ्कजं

व्यालयज्ञसूत्रमिन्दुशेभरं कृपाकरम् ॥ var बिन्दु

नारदद्वियोगिवृन्दवन्दितं द्विगंभरं

काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भजे ॥ १ ॥

भानुकोटिभास्वरं भवाब्धितारकं परं

नीलकण्ठमीप्सितार्थदायकं त्रिलोचनम् ॥

कालकालमंजुषाक्षमक्षशूलमक्षरं

काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भजे ॥ २ ॥

शूलटंकपाशदण्डपाणिमादिकारणं

श्यामकायमादितेवमक्षरं निरामयम् ॥

भीमविह्वलं प्रभुं विचित्रताण्डवप्रियं

काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भजे ॥ ३ ॥

भुक्तिमुक्तिदायकं प्रशस्तचारविग्रहं

भक्तवत्सलं स्थितं समस्तलोकविग्रहम् ॥ var स्थिरम्

विनिक्वाणन्मनोज्ञहेमकिङ्किणीलसत्कटिं var निक्वाणन्

काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भजे ॥ ४ ॥

धर्मसेतुपालकं त्वधर्ममार्गनाशनं var नाशकं

धर्मपाशमोचकं सुशर्मधायकं विभुम् ॥ var दायकं

स्वर्णवर्णशेषपाशशोभितांगमण्डलं var केशपाश, निर्मलं
काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भवे ॥ ५ ॥

रत्नपाद्मकाप्रभाभिरामपाद्युग्मकं
नित्यमद्वितीयमिष्टदैवतं निरंजनम् ॥
मृत्युदर्पनाशनं करालदंष्ट्रमोक्षाणं var भूषाणं
काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भवे ॥ ६ ॥

अट्टहासमिन्नपद्मजाण्डकोशसंततिं
दृष्टिपातनष्टपापजलमुग्रशासनम् ॥
अष्टसिद्धिद्वयकं कपालमालिकाधरं
काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भवे ॥ ७ ॥

भूतसंघनायकं विशालकीर्तिद्वयकं
काशिवासलोकपुण्यपापशोधकं विभुम् ॥ var काशिवासि
नीतिमार्गकोविदं पुरातनं जगत्पतिं
काशिकापुराधिनाथकालभैरवं भवे ॥ ८ ॥

॥ इल श्रुति ॥

कालभैरवाष्टकं पठन्ति ये मनोहरं
ज्ञानमुक्तिसाधनं विचित्रपुण्यवर्धनम् ॥
शोकमोहदैन्यलोभकोपतापनाशनं var लोभदैन्य
प्रयान्ति कालभैरवांघ्निसन्निधिं नरा ध्रुवम् ॥

var ते प्रयान्ति कालभैरवांघ्निसन्निधिं ध्रुवम् ॥

॥ ॐ श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकार्यस्य

श्रीगोविन्दभगवत्पूज्यपादशिष्यस्य

श्रीमच्छंकरभगवतः कृतौ

श्री कालभैरवाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Encoded by Narayanaswami Pallasena at swami@math.mun.ca

Proofread by Narayanaswami Pallasena and Sunder Hattangadi sunderh@hotmail.com

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

Last updated त्oday

<http://sanskritdocuments.org>

Kalabhairava Ashtakam Lyrics in Gujarati PDF

% File name : kaalabhairava.itx

% Category : aShTaka

% Location : doc_shiva

% Author : Shankaracharya

% Language : Sanskrit

% Subject : religion

% Transliterated by : Narayanaswami Pallasena at swami at math.mun.ca

% Proofread by : Narayanaswami Pallasena, Sunder Hattangadi

% Latest update : August 10, 2002, August 26, 2012

% Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

% Site access : <http://sanskritdocuments.org>

%

% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study

% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of

% any website or individuals or for commercial purpose without permission.

% Please help to maintain respect for volunteer spirit.

%

We acknowledge well-meaning volunteers for Sanskritdocuments.org and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.

Please check their sites later for improved versions of the texts.
This file should strictly be kept for personal use.
PDF file is generated [October 12, 2015] at [Stotram](#) Website